

- RELEASE** (subs.): (1) मुक्तिः, वि-, *obtaining r. from the king* : ईश्वरान्मुक्तिमधिगम्य, N. ii. 1. ; (2) मोक्षः, -णम्, वि- : v. Liberation, discharge.
- RELENT** : *r. and speak* : जहिहि कठिनतां प्रयच्छ वाचम्, Ki. x. 51. : v. Cruelty and abandon, soft and become.
- RELENTLESS** : (1) कठिन ( f. ना=hard ) ; (2) निष्करुण ( f. णा ) : v. Merciless, unkind.
- RELEVANCE, RELEVANCY** : (1) प्रासङ्गिकता, -त्वम् ; (2) सम्पर्कः (=connexion : q.v.).
- RELEVANT** : (1) प्रासङ्गिक ( f. की ) ; (2) प्रस्तुतानु-वर्तिन् ( f. नी : ? ) ; (3) संयुक्त ( f. क्ता=connected ).
- RELIANCE** : विश्वासः : v. Faith, trust.
- RELIC** : (1) शिष्ट ( f. ष्टा ), अव- (=remaining) ; (2) शव ( mn.=corpse ) ; (3) शरीरम् (=body : q.v.), *did not burn his r.s* : न चकार शरीरमग्निना, R. N.B. If a part of the body is referred to, expr. by it.
- RELICT** : विधवा : v. Widow.
- RELIEF** : I. The act : (1) साहाय्यम् (=assistance) ; (2) उद्धारः (=saving, succour) ; (3) परिहारः (=avoidance) ; (4) प्रतिकारः (=remedy) ; (5) उपशमः (=alleviation). II. The state : (1) सुखम् (=ease, pleasure) ; (2) शमः (=peace, quiet). III. In sculpture : \*समावेशः, *high r.* : \*उन्नतसमावेशः ; *base or low r.* : \*समसमावेशः ; *middle r.* : अर्द्धोन्नतसमावेशः.
- RELIEVE** : I. In gen. : (1) मोक्षयति, परि-, ( मोक्ष, c. 10.=to release, free : q.v. ) ; (2) शमयति, प्र-, ( c. of शम्=to alleviate, mitigate : q.v. ) ; (3) उपकरोति ( कृ, c. 8.=to help, do good to : q.v. ). II. To r. guards etc. : perh. मोक्षयति, परि-.
- RELIGION** : धर्मः, *devoid of all r.* : सकलधर्मबहिष्कृत ( f. ता ), San. vi. : v. Also piety, theology.
- RELIGIOUS** : I. Pious : q.v. : (1) धार्मिक ( f. की ) ; (2) धर्मिष्ठ ( f. ष्टा ). II. Relating to religion : धर्म- in comp., *r. rite* : धर्मकर्मन् ( n. ).
- RELIGIOUSLY** : (1) धर्मपरतया ; (2) better by adj. or circumlo.
- RELIGIOUSNESS** : (1) धार्मिकता ; (2) धर्मिष्ठता ; (3) धर्मशीलता ; (4) धर्मपरायणता ; etc.
- RELINQUISH** : त्यजति, परि-, सम्-, ( त्यज्, c. 1. ) : v. To leave, abandon.
- RELIQUARY** : शिष्टाधारः and sim. comp.s. (??).
- RELISH** (subs.): I. Taste, flavour : (1) रसः ; (2) स्वादः, आ-. II. Likeness, fondness : q.v. : रुचिः, अभि-. III. Something eaten with food : अव-(उप-)दंशः, *making two or three r.es* : द्वित्रानुप-दंशानुपपाद्य, D. vi.
- RELISH** (v.t.): I. Lit. : (1) रसयति ( रस्, c. 10. ), *r. ing highly r. ing wine* : वारुणीमतिरसां रसयित्वा, Ki. ix. 54. ; (2) स्वादयति ( c. of स्वद् ), 55. II. Fig. : रोचते, अभि-, ( रुच्, c. 1. : with dat. of the English nomi. ), *the ladies did not r. garlands* : न स्रजो रूचिरे रमणीभ्यः. Ki. ix. 35.
- RELISH** (v.i.): (1) स्वदते ( स्वद्, c. 1. ) ; (2) (with subs.) रसः.
- RELUCTANCE** (y): (1) अनिच्छा ; (2) अनिच्छुता ; (3) वैमनस्यम्.
- RELUCTANT** : (1) अनिच्छु ( mfn. ), -क ( f. का ) ; (2) विमनस् ( mfn. ) ; (3) विरक्त ( f. क्ता=averse ) ; (4) असन्तुष्ट ( f. ष्टा=dissatisfied ).
- RELUCTANTLY** : (1) अनिच्छया ; (2) by adj.
- RELY ON** : (1) विश्वसिति ( श्वस्, c. 2. : with loc. ) : v. To trust, believe ; (2) समाश्रयति ( श्रि, c. 1. : with acc. ) : v. Recourse (have).
- REMAIN** : (1) तिष्ठति, अवतिष्ठते ( स्था, c. 1. ), *will go wherever it likes or accustomed to this place will r. here* : यास्यति यत्रास्मै रोचिष्यते, इहैव वा समुपजातपरिचयः स्यास्यति, K. ; *the king r.ed there at night* : राजा तत्रैव रात्रावतिष्ठत्, Bha. ; *one Gan-gadatta alone r.ed* : केवलमेको गङ्गदत्तस्तिष्ठति, P. ; *not a point of the earth r.ed pathless* : नास्यादपन्था धरणेः कणोऽपि, N. x. 2. ; (2) शिष्यते, अव- ( pass. of शिष् ) (=to be left as a remainder), (*you*) *r. only in words* : कथासु शिष्यध्वम्, M. i. 142. ; *when the fame (alone) of Vikramāditya r.s* : गतवति कीर्तिशेषं विक्रमादित्ये, Va. ; *the wives of the Vrishnis r.ing after abduction* : कलत्रं वृष्णीनां हृत-शेषितम्, Mah. xvi. 7. 68.
- REMAINDER** : expr. by adj. *if this is deducted from three, the r. is* : अथैतैर्विवर्जितानां त्रयाणां शेषम्, Li. 8. ; *and who (spent) two-ninths of the r. at*